

loc.: सं यद्विशो ऽयं प्रसाता RV. 6,26,1. 19,12. 23,2. 33,2. नरेशिंदो
समिधे प्रसातौ ववन्दिर 3,54,6. 1,31,6. 100,7. 157,2. 7,93,5. 8,16,4.
10,63,14. 67,9.

प्रसिंह m. N. pr. eines Scholiasten Verz. d. Cambr. H. 13.

प्रसेन (श्रू + सेना) 1) m. a) pl. N. pr. eines Volkes, das um Ma-
thura wohnte, MBh. 2,590. 1106 (प्रसेनान् mit der ed. Bomb. zu
lesen). 4,11. 144. 5,2138. 6,347 (VP. 185). 8,2098. 13,6841. HARIV.
4973. lith. Ausg. 33,56. R. 4,44,12. 7,70,9. VARĀH. BRH. S. 5,35. 69.
9,17. 14,3. 17,13. 22. 69,26. MĀRK. P. 58,7. BHĀG. P. 1,10,34. 6,14,
10. 9,24,62. DAŚAK. 161,14. Verz. d. Oxf. H. 238,b,18. प्रसेनेश्वर
HARIV. 4958. प्रसेनाधिपति RAGU. 6,45. ऽपति VARĀH. BRH. S. 14,54.
BHĀG. P. 1,13,39. — b) sg. a) N. pr. des von den Çūrasena bewohnt-
ten Gebietes PAÑĀK. 1,10,44. — β) ein Fürst der Çūrasena: Vishṇu
MBh. 13,7024. Ugrasena HARIV. 3102. als N. pr. ein Sohn Kārtā-
virja's 1892. VP. 417. BHĀG. P. 9,23,26. Çatruḅha's VP. 385. N.
pr. verschiedener Männer KATHĀS. 10,163. 183. 34,206. 56,81. 66,173.
111,25. Verz. d. Oxf. H. 153,a, No. 328 (सूर). — 2) f. श्रा ein N. der
Stadt Mathurā R. 7,70,6. — 3) f. ई eine Fürstin der Çūrasena P.
4,1,177. Schol. MBh. 1,3696. — Vgl. शारसेन, शारसेन्य.

प्रसेनक m. pl. = प्रसेन 1) a) M. 2,19. VARĀH. BRH. S. 9,11.

प्रसेनज्ञ (श्रू + 1. ङ) m. pl. desgl. M. 7,193.

प्रसीकर (1. श्रू + 1. कर) Jmd zu einem Helden machen: ऽकृत
KATHĀS. 43,100.

प्रसीश्वर (1. श्रू + ई) m. Bez. einer von Çūra errichteten Statue
RĀGA-TAR. 5,38.

प्रसूत partic. nach NIGH. 2,15 so v. a. निप्र. त्वया प्रसूता वर्त्माना अय-
त्यम् RV. 1,174,6.

श्रूप UNĀDIS. 3,26. 1) m. n. gaṇa अर्थचादि zu P. 2,4,31. SIDDH. K.
249,a,11. a) ein geflochtener Korb zum Schwingen des Getraides. Wanne
Nir. 6,9. AK. 2,9,26. H. 1018. MAHĀBH. zu VS. 1,6. AV. 9,6,16. 10,9,
26. 11,3,4. 12,3,19. fg. 20,136,8. TS. 1,6,8,3. TBR. 1,6,5,4. 3,2,5,11.
ÇAT. BR. 1,1,1,22. 4,19,2,5,2,23. KĀTJ. ÇR. 3,7,19. 5,5,11. GOBH. 2,
2,10. ĀÇV. GRHJ. 4,3,15. ऽपुट 1,7,14. KAUC. 87. M. 5,117. JĀGĒ. 1,184.
285. HARIV. 2204. 7698 (कृष्णाग्निं तिलैः पूर्णा प्रयच्छ च सकाञ्चनम् die
neuere Ausg.). विसृज्य श्रूपवेदोषान्गुणान्गृह्णति साधवः Spr. 2876. VA-
RĀH. BRH. S. 46,63. श्रूपकार adj. 68,3. MĀRK. P. 35,7. 51,91. PAÑĀK.
121,19. ऽवात TRIK. 2,9,5. MĀRK. P. 50,95. सप्रूपपिटकाः (श्रूपाणि तप्त-
गुडादिप्रतेपार्थानि पिटकास्तदश्रया मञ्जूषाः NILAK.) MBh. 5,5249. Nir-
gends masc.; öfters unrichtig सूर्य geschrieben. — b) als Maass = 2
Droṇa ÇABDAM. im ÇKDR. ÇĀRṆG. SĀH. 1,1,24. — 2) f. ई gaṇa गौ-
रादि zu P. 4,1,41. a) eine kleine Wanne UNĀDIS. im ÇKDR. — b) = श्रू-
पणाळा ÇABDAM. im ÇKDR. — Vgl. शौर्य, शौर्यिक.

श्रूपक (von श्रूप) m. N. pr. eines Feindes des Liebesgottes H. 228.
श्रूपकाराति m. der Feind Çūrpaka's, ein N. des Liebesgottes HALĀJ.
1,33. श्रूपकारि m. ÇKDR. nach ders. Aut.

श्रूपकर्षा 1) adj. wannenähnliche Ohren habend: Gaṇeṣa KATHĀS. 55,
165 (श्रूपं gedr.). ऽपुट dass. 123,164. — 2) m. a) Elephant TRIK. 2,8,
84. H. c. 175. — b) pl. N. pr. eines Volkes VARĀH. BRH. S. 14,5. —

c) N. pr. eines Berges MĀRK. P. 58,11 (सूर्य).

श्रूपग्राह adj. f. ई eine Schwinge haltend AV. 11,3,4.

श्रूपणाळा (श्रूप + नख) f. N. pr. Schol. zu P. 4,1,58. 8,4,3. einer
Rākshasī, einer Schwester Rāvaṇa's, ÇABDAM. und ÇABDAR. im ÇKDR.
MBh. 3,15896. 15900. R. 1,1,44. fg. (48 GORR.). 3,23,12. 6,108,35. 7,
9,35. RAGH. 12,38. Verz. d. B. H. No. 536. ऽणाळी (gegen P. 4,1,58)
ÇABDAM. und ÇABDAR. im ÇKDR. R. 6,82,103. fg. BHĀG. P. 9,10,4. Hier
und da fälschlich श्रूपनखा geschrieben.

श्रूपपाय (श्रूप + नाय) m. N. pr. eines Mannes gaṇa कुर्वदि zu P. 4,
1,151. सूर्यपाय Verz. d. Oxf. H. 18,b,4. 19,a,10 (pl.) fehlerhaft für
श्रूपपाय oder शौर्यपाय.

श्रूपपायैय adj. von श्रूपपाय gaṇa उत्करादि zu P. 4,2,90.

श्रूपपर्णी f. eine Art Hülsenfrucht (शिम्बीविशेष) ÇABDĀK. im ÇKDR.

श्रूप्य (von श्रूप), ऽपति (माने) DhĀTUP. 32,71, v. l.

श्रूपश्रुति m. Elephant HĀR. 14 (सूर्य). — Vgl. श्रूपकर्षा.

श्रूपद्रि (श्रूप + द्रि) m. N. pr. eines Berges im Süden VARĀH. BRH.
S. 14,14; vgl. सूर्यद्रि MĀRK. P. 58,26.

श्रूपारक m. pl. N. pr. eines Volkes R. GORR. IV, S. 526. MĀRK. P. 57,
49. sg. (n. als N. der Stadt) N. pr. einer Gegend MBh. 2,1169. 3,8185.
8337. 10221. 10227. 12,1781. श्रूपारकादक 13,1736. BHĀG. P. 10,79,20.
नगर HARIV. 5300. 5387. BURNOUT, Intr. 235. SCHIEFNER, Lebensb. 332
(102). LASSEN (IA. 1,537. 565. fg.) nimmt zwei Çūrpāraka an. Oeflers
सू० geschrieben. — Vgl. शौर्यारक.

श्रूपकर्षा KATHĀS. 55,165 fehlerhaft für श्रूपकर्षा.

श्रूल, श्रूलति (श्रूनायाम्, संघाते च, संघोषे च) DhĀTUP. 15,19. श्रूलति
लोकं रोगः DURGĀD. im ÇKDR.

श्रूल m. n. gaṇa अर्थचादि zu P. 2,4,31. SIDDH. K. 250,b,9. 1) m. n.
Bratspiess; Spiess, Wurfspiess (insbes. Çiva's) AK. 3,4,1,14. 26,199.
TRIK. 2,8,56. H. 787. an. 2,513. MRD. I. 53. Viçva beim Schol. zu
VĀSAVAD. S. 21. RV. 1,162,11. ÇAT. BR. 11,4,2,4. 7,2,2. 4,3. कृदप्यं
श्रूले परितप्य ĀÇV. GRHJ. 1,11,12. KĀTJ. ÇR. 6,7,14. 8,8,33. 20,7,27.
Schol. zu 6,7,14. KĀND. UP. 7,13,3. यस्ते श्रूलान् Vjāsa bei KULL. zu
M. 3,133. यस्ते प्रेत्य दीप्तश्रूलश्चयामुताम् M. 3,133. ऽमुद्रस्तम्भा MBh.
1,7654. 3,819. त्रिशिखर 14351. त्रिशिख BHĀG. P. 3,19,13. 5,25,3. 6,
9,14. शितधार MBh. 7,8141. 8151 (mit der ed. Bomb. zu lesen श्रूला
भुशुण्डो ऽश्मगुडाः). 12,10671. 13,858. 862. HARIV. 3090. शैवं श्रूलवाम्
R. 1,29,6. R. GORR. 1,41,21. 3,8,5. 6. 26,11. 28,36. शित 31,38. अयो-
मुख 53,53. 6,87,16. fg. 19. SUÇR. 2,436,19. VARĀH. BRH. S. 44,21. 58,
43. 69,22. 29. श्रूयैः श्रूलशतयोः KATHĀS. 60,136. RĀGA-TAR. 3,365. 4,
301. शर्वस्य MĀRK. P. 78,17. 108,3. BHĀG. P. 3,19,15. 4,5,6. 6,1. 10,
11. श्रूले मत्स्यानिवापद्यन् Spr. (II) 8213. HALĀJ. 2,168. एक, द्वि
Schol. zu KĀTJ. ÇR. 6,5,7. — 2) m. oder n. ein spitzer Pfahl, auf den Verbre-
cher (insbes. Diebe) gespiess werden: तीक्ष्णो श्रूले निवेशयेत् M. 9,276.
श्रूलानरिपयेन्नान् JĀGĒ. 2,273. MBh. 1,4317. स श्रूलमारोक्ति 16,34.
श्रूले समारोप्य RĀGA-TAR. 2,79. श्रूलस्य पक्षे मरणम् 90. श्रूले भिन्नः MBh.
13,1343. मोक्षं प्राप्स्यसि श्रूलान्. श्रूला ऽकृता 1344. ऽस्य 1,4318. ऽभङ्ग
VĀSAVAD. 20. श्मशानं KUMĀRAS. 5,73. श्रूले प्रोतः MBh. 1,4316. MĀRK.
P. 16,27. BHĀG. B. 5,26,32. श्रूलप्रोत m. als N. einer Hölle 7. प्रोत